



राष्ट्रीय दैनिक

प्रातःकिरण



दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित



10 अदाणी के खिलाफ जांच की मांग को लेकर कांग्रेस नेता ने खटखटाया...

गुटेरेस ने सामान्य लक्ष्यों को प्राप्त करने को वैश्विक सहयोग का किया आह्वान 12

वर्ष : 13 | अंक : 273 | नई दिल्ली, बुधवार, 15 फरवरी, 2023 | पौष शुक्ल षष्ठी, विक्रम संवत् 2079 | पैज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

f /Pratahkiran

t /Pratahkiran

b /Pratahkiran

हर खबर पर पफ़ड़

कृषि इको सिस्टम में ट्रिपल एस फामूले का अपनाने जी 20 देशों से भारत का आह्वान

इंदौर, एजेंसी

भारत ने जी 20 देशों से आह्वान किया है कि वैश्विक खाद्य सुरक्षा के संकट से निपटने के लिए कृषि इको सिस्टम से ट्रिपल एस फामूले को अपनाए जिससे कृषि स्मार्ट और सतत हो तथा सभी को सेवा का अवसर मिले। नगर विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने जी 20 देशों के कृषि से संबंधित कार्य समूह की पहली

बैठक से इतर संवाददाता सम्मेलन में आज कहा कि स्मार्ट कृषि के लिए ज्ञान तकनीक का उपयोग किया जा रहा है। इससे कृषि लगत में कमी आयी और उत्पादन की बढ़ाया। इसके माध्यम से कटना-शक्तियों का छिकाव किया जा सकता है और जीवी की भी बुआई हो सकती।

उद्घाने कहा कि सतत कृषि से सभी किसानों के उत्पादन में वृद्धि की जा सकती। इसके लिए पिछले आठ वर्षों में कृषि बजट



बढ़कर 315 मिलियन टन हो गया है। विश्व में भारत दृष्टि उत्पादन में पहले स्थान पर है। फल और सञ्जियों के उत्पादन में दूसरे और अनाज उत्पादन में तीसरे स्थान पर है। श्री सिंधिया ने कहा कि किसानों की जलदी खराब होने वाली वस्तुओं को बेहतर बाजार उत्पादन के लिए कृषि उड़ान सेवा का सिंचाई क्षेत्र दो ताख हेक्टेयर से बढ़कर 300 लाख हेक्टेयर हो गया है। अनाज उत्पादन 165 लाख टन से बढ़कर 619 लाख टन हो गया है। पिछले आठ साल में बहुत महत्वपूर्ण है। पिछले 265 मिलियन टन हो गया है।

कृषि उड़ान सेवा का विस्तार होगा: सिंधिया

इंदौर। नगर विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने आज कहा कि किसानों की जलदी खराब होने वाली वस्तुओं को बेहतर बाजार उत्पादन सेवा चल रही है जिससे किसानों और अन्य पालकों को बेहतर आर्थिक लाभ मिला है। उद्घाने कहा कि पूर्वोत्तर क्षेत्र से बढ़े पैसाने पर बागवानी और अन्य उत्पादों को देश के अलग अलग हिस्सों तथा विदेशों में भाग गया है।

हरियाणा पुलिस को 54 साल बाद राष्ट्रपति निशान

अमित शाह बोले- गौरव वाला पल, यहां के जवान धाकड़ हैं, गौंग खत्म की



करनाल, एजेंसी

मौसम	अधिकतम तापमान 22.0°C
	न्यूलैंटम तापमान 08.0°C
बाजार	
सोना	55,00
चांदी	54,300
संसेक्स	53,306
निपटी	21,503

संक्षिप्त खबरें

देश में कोरोना के 1818 सक्रिय मामले शेष

नई दिल्ली। देश में कोरोना सक्रिय मामलों में निरंतर गिरावट और स्वरूप होने वालों की संख्या में अनवरत बढ़ती है। सक्रिय मामले 1818 रह गए हैं और करवारी दर शून्य प्रतिशत पर है। इस बीच देश में पिछले 24 घण्टों में 6394 कोविड टीकाकरण किया गया है। 102 अब तक कुल 220 करोड़ 63 लाख 04 हजार 495 कोविड टीकाकरण किया जा रहा है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर संभलवार की सुबह जारी आंकड़ों के मुताबिक पिछले 24 घण्टों में 93 मरीज स्वरूप हुए हैं तथा 19 सक्रिय मामले कम हुए हैं। हालांकि अंदरशास्त्र में तीन, जम्मू कश्मीर में तो तथा बिहार, पंजाब और राजस्थान में एक-एक मामले बढ़े हैं।

मोदी, शाह, राजनाथ ने पुलवामा शहीदों को दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह तथा कांगड़ा नेट्रोजी मलिकार्जुन अड्डे और राहुल गांधी ने मंगलवार की पुलवामा के शहीदों को नमन करते हुए कहा कि उक्त शहीदों को कभी भूताया नहीं जा सकेगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कोरोना जीसे संकट काल में हरियाणा पुलिस को भूमिका अद्भुत ही है। जब जब भारत की सुरक्षा की इतिहास लिखा जाएगा तब तक केंद्रीय मंत्री ने देश में हरियाणा पुलिस की संज्ञा दी। उद्घाने कहा कि एस एम एस एक विश्वास की ओर देश में हरियाणा पुलिस को दी जाती है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि एस एम एस एक विश्वास की ओर देश में हरियाणा पुलिस को दी जाती है। उद्घाने कहा कि उक्त शहीदों को कभी भूताया नहीं जा सकेगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कोरोना जीसे संकट काल में हरियाणा पुलिस को भूमिका अद्भुत ही है। जब जब भारत की सुरक्षा की इतिहास लिखा जाएगा तब तक केंद्रीय मंत्री ने देश में हरियाणा पुलिस की संज्ञा दी।

मोदी ने अपने दीवार में कहा, अपने

वीर नायकों को याद कर रहा हूं, जिन्हें हमने इस पुलवामा में खो दिया था। उद्घाने आगे कहा, हम अपनी सर्वोच्च बलिदान को कभी नहीं भूलते। उनका साहस हमें एक मजबूत और विकसित भारत बनाने के लिए प्रेरित करता है।

शीर्षी शाह ने दीवार किया, मैं वर्ष 2019 में आज ही केंद्रीय पुलवामा में हुए भीषण आतंकी हमले में शहीद हुए वीर जवानों को श्रद्धांजलि देता हूं। रक्षा ने बलिदान को कभी नहीं भूल सकता।

गूगल ने टैलेंटाइन डे पर रोमांटिक इडल बनाकर दिया प्रेम का संदेश

नई दिल्ली। इंटरेट सर्चइंजन गूगल ने जैसे की दिल्ली, एजेंसी।

ओम और अल्लाह एक ही हैं। मनु और आदम भी एक ही हैं। मनु की संतानें मूल्य कही गई और आदम की ओलाद को आदी कहा गया। अल्लाह ने आदम को भारत की जमीं पर भेजा, लिहाजा भारत मुसलमानों का पहला बनत है और इस्लाम सबसे पुराना मजहब है। जिस हम अल्लाह मनते हैं, वह ही हिन्दूओं में इश्वर है, फारसी में उसे ही खुब कहते हैं और इस्लाम भी मनते हैं। जब मन धरती पर आए, तब ब्रह्म नहीं थे, विष्णु थे और शिव भी नहीं थे, श्रीराम भी नहीं थे, तो मनु किसी पूजा करते थे? किसी धर्मगुरु ने ब्रह्मा कि मनु ओम को पूजते थे? फिर सबाल उठा कि ओम क्या था? किसी धर्मगुरु ने व्याख्या की कि ओम का कोई रंग-रूप नहीं था। वह एक हवा थी। जिसे आप हवा मानते हैं, वही हमारे लिए अल्लाह है।

तमाम मुसलमानों को हिन्दू ही मनने वालों का विचार जाहिल है। बहराहल 21 वें सदी में धर्म और भगवन वा अल्लाह की ऐसी स्थानान्पं हास्यस्पद लगती है कोई विश्वासी, धूर्त और अजानी व्यक्ति ही ऐसी व्याख्याएं कर सकता है या किसी के विचार को जाहिल करार देते हुए गाली दे सकता है। मुसलमानों के सबसे पुराने और व्यापक महावीरी और सामाजिक संगठन उत्तेज-ए-हिंद के मंच से व्यवहृत गौतम और अशोक मन्दीर के धर्म और आस्थाओं को गाली देने और उसे अधम करार देने का अलिखित अधिकार भी विद्या गया है। बुनियादी तौर पर धर्म का सुझावना का बनत ही गया है।

इस्लाम और मुसलमानों भारत की ही पैदाश है, वे कहीं बाहर से नहीं आए ये स्थानान्पं भी दी गई हैं। जमीयत का यह आम आदोजन सर्वधर्म सम्भाव और सोहाई की सार्वतिक सोच के तहत किया गया था, लेकिन वह अंडंबर और मुस्तौदा ही थे, नीतजनता जैन मनि, सिख धर्मगुरु हैं और अन्य न ही धर्मों के विशेषज्ञ हैं। लेकिन जितना भी अथवय किया है, उसके मुताबिक इन व्याख्याओं के खिलाफ किया जा सकता है। मौलाना मदीनी ने विश्व के सनान धर्म को खारिज किया है, जिसके कालखंड में वेदों, पुराणों और उनिषिद्धों के दर्शन दुर्लभ के सामने आए। मौलान ने ब्रह्मा, विष्णु, महेश सरीख ब्रह्मांक के दैवीय त्रिदेवों और सामित करने की कोशिश की है कि भारत धर्मनिरेक्षण देश नहीं है। बोशक संविधान में धार्मिक और पूजा-पाठ पद्धति की जाजादी का अधिकार दिया गया है, लेकिन दूसरे के धर्म और आस्थाओं को गाली देने और उसे अधम करार देने का अलिखित अधिकार भी विद्या गया है। बुनियादी तौर पर धर्म का सुझावना का बनत ही गया है।

इस्लाम और मुसलमानों भारत की ही पैदाश है, वे कहीं बाहर से नहीं आए ये स्थानान्पं भी दी गई हैं। जमीयत का यह आम आदोजन सर्वधर्म सम्भाव और सोहाई की सार्वतिक सोच के तहत किया गया था, लेकिन वह अंडंबर और मुस्तौदा ही थे, नीतजनता जैन मनि, सिख धर्मगुरु हैं और अन्य न ही धर्मों के विशेषज्ञ हैं। लेकिन जितना भी अथवय किया है, उसके मुताबिक इन व्याख्याओं के खिलाफ किया जा सकता है। मौलाना मदीनी ने विश्व के सनान धर्म को खारिज किया है, जिसके कालखंड में वेदों, पुराणों और उनिषिद्धों के दर्शन दुर्लभ के सामने आए। मौलान ने ब्रह्मा, विष्णु, महेश सरीख ब्रह्मांक के दैवीय त्रिदेवों और सामित करने की कोशिश की है कि भारत धर्मनिरेक्षण देश नहीं है। बोशक संविधान में धार्मिक और पूजा-पाठ पद्धति की जाजादी का अधिकार दिया गया है, लेकिन दूसरे के धर्म और आस्थाओं को गाली देने और उसे अधम करार देने का अलिखित अधिकार भी विद्या गया है। बुनियादी तौर पर धर्म का सुझावना का बनत ही गया है।

पूर्वोत्तर के चुनाव कुछ अलग, कुछ खास!

ऋतुपर्ण दवे

साल 2023 भारत के लिए चुनाव के लिहाज से बेहद अलग होगा। 9 राज्यों के चुनाव होने हैं। तीन राज्यों में घोषणा के साथ शंखनाड हो चुका है। जर्जनीतिक व्याख्याओं में राजीनों के नीतीजों से आम चुनाव के लिए नेजटटोरों जीती है। कृषी सत्ता की समीक्षियाँ इनकी जीती हैं। 2024 में अम चुनाव होने हैं। वैसे भी दुनिया में लोकतंत्र के लिहाज से भारत की खास पहचान है। हर साल और हर मीसाम में कहीं न कहीं और कोई न कहीं चुनाव होता रहता है। यही हमारे लोकतंत्रिक ढांचों की खुबसूरी है और जमजूब जनाशय की व्यवस्था ही। पूर्वोत्तर के रिपुणा, मेघालय और नागार्जुना में चुनावी लेलान के साथ राजनीतिक दलों को संक्रिया बढ़ा रहा है। जिन तीन विधानसभाओं में चुनाव हैं और सभी में 60-60 सटों हैं। विधानसभाओं के लिहाज से नगार्डें का 12 मार्च, मेघालय का 15 मार्च और तिपुरा का 22 मार्च को कालकिल समाप्त हो रहा है। वहीं तिपुरा में 16 फरवरी को जबकि नगार्डें-मेघालय में 27 फरवरी को एक-एक चरण में मतदान होगा। नीतीजे 2 मार्च की आएं।

तिपुरा में 2018 विधानसभा चुनाव में भाजपा जीती और 25 साल से सासन कर रहा लेपट बेदखल हुआ। बिल्लब कुमार देव मुख्यमंत्री बने 2022 में चौकोने वाला निर्णय को मसहूर भाजपा ने बिल्लब देव की जगह राज्यसभा चुनाव हो रहे हैं। इससे यह बहाना बेदखल रोक रहे हैं। यानी 2016 से विधानसभा चुनाव हो रहे हैं जिसमें 6 दलों ने तक मार्क्योवीटी कान्यनिट पार्टी (माकपा) और कांग्रेस एक दूसरे के धुर विरोधी रहे। 2018 तक दोनों में राजनीतिक भिड़त होती थी। लेकिन भाजपा के पैर जमाते ही अल्लाह और कोई न कहीं चुनाव होता रहता है। यही हमारे लोकतंत्रिक ढांचों की खुबसूरी है और जमजूब जनाशय की व्यवस्था ही। पूर्वोत्तर के रिपुणा, मेघालय और नागार्जुना में चुनावी लेलान के साथ राजनीतिक दलों को संक्रिया बढ़ा रहा है। जिन तीन विधानसभाओं में चुनाव हैं और सभी में 60-60 सटों हैं। विधानसभाओं के लिहाज से नगार्डें का 12 मार्च, मेघालय का 15 मार्च और तिपुरा का 22 मार्च को कालकिल समाप्त हो रहा है। वहीं तिपुरा में 16 फरवरी को जबकि नगार्डें-मेघालय में 27 फरवरी को एक-एक चरण में मतदान होगा। नीतीजे 2 मार्च की आएं।

तिपुरा में 2018 विधानसभा चुनाव में भाजपा जीती और 25 साल से सासन कर रहा लेपट बेदखल हुआ। बिल्लब कुमार देव मुख्यमंत्री बने 2022 में चौकोने वाला निर्णय को मसहूर भाजपा ने बिल्लब देव की जगह राज्यसभा चुनाव के लिए नेजटटोर के लिए चुनाव हो रहे हैं। इससे यह बहाना बेदखल रोक रहे हैं। यानी 2016 से विधानसभा चुनाव हो रहे हैं जिसमें 6 दलों ने तक मार्क्योवीटी कान्यनिट पार्टी (माकपा) और कांग्रेस एक दूसरे के धुर विरोधी रहे। 2018 तक दोनों में राजनीतिक भिड़त होती थी। लेकिन भाजपा के पैर जमाते ही अल्लाह और कोई न कहीं चुनाव होता रहता है। यही हमारे लोकतंत्रिक ढांचों की खुबसूरी है और जमजूब जनाशय की व्यवस्था ही। पूर्वोत्तर के रिपुणा, मेघालय और नागार्जुना में चुनावी लेलान के साथ राजनीतिक दलों को संक्रिया बढ़ा रहा है। जिन तीन विधानसभाओं में चुनाव हैं और सभी में 60-60 सटों हैं। विधानसभाओं के लिहाज से नगार्डें का 12 मार्च, मेघालय का 15 मार्च और तिपुरा का 22 मार्च को कालकिल समाप्त हो रहा है। वहीं तिपुरा में 16 फरवरी को जबकि नगार्डें-मेघालय में 27 फरवरी को एक-एक चरण में मतदान होगा। नीतीजे 2 मार्च की आएं।

तिपुरा में 2018 में नेजटटोर के लिए चुनाव हो रहे हैं। इससे यह बहाना बेदखल रोक रहे हैं। यानी 2016 से विधानसभा चुनाव हो रहे हैं जिसमें 6 दलों ने तक मार्क्योवीटी कान्यनिट पार्टी (माकपा) और कांग्रेस एक दूसरे के धुर विरोधी रहे। 2018 तक दोनों में राजनीतिक भिड़त होती थी। लेकिन भाजपा के पैर जमाते ही अल्लाह और कोई न कहीं चुनाव होता रहता है। यही हमारे लोकतंत्रिक ढांचों की खुबसूरी है और जमजूब जनाशय की व्यवस्था ही। पूर्वोत्तर के रिपुणा, मेघालय और नागार्जुना में चुनावी लेलान के साथ राजनीतिक दलों को संक्रिया बढ़ा रहा है। जिन तीन विधानसभाओं में चुनाव हैं और सभी में 60-60 सटों हैं। विधानसभाओं के लिहाज से नगार्डें का 12 मार्च, मेघालय का 15 मार्च और तिपुरा का 22 मार्च को कालकिल समाप्त हो रहा है। वहीं तिपुरा में 16 फरवरी को जबकि नगार्डें-मेघालय में 27 फरवरी को एक-एक चरण में मतदान होगा। नीतीजे 2 मार्च की आएं।

तिपुरा में 2018 में नेजटटोर के लिए चुनाव हो रहे हैं। इससे यह बहाना बेदखल रोक रहे हैं। यानी 2016 से विधानसभा चुनाव हो रहे हैं जिसमें 6 दलों ने तक मार्क्योवीटी कान्यनिट पार्टी (माकपा) और कांग्रेस एक दूसरे के धुर विरोधी रहे। 2018 तक दोनों में राजनीतिक भिड़त होती थी। लेकिन भाजपा के पैर जमाते ही अल्लाह और कोई न कहीं चुनाव होता रहता है। यही हमारे लोकतंत्रिक ढांचों की खुबसूरी है और जमजूब जनाशय की व्यवस्था ही। पूर्वोत्तर के रिपुणा, मेघालय और नागार्जुना में चुनावी लेलान के साथ राजनीतिक दलों को संक्रिया बढ़ा रहा है। जिन तीन विधानसभाओं में चुनाव हैं और सभी में 60-60 सटों हैं। विधानसभाओं के लिहाज से नगार्डें का 12 मार्च, मेघालय का 15 मार्च और तिपुरा का 22 मार्च को कालकिल समाप्त हो रहा है। वहीं तिपुरा में 16 फरवरी को जबकि नगार्डें-मेघालय में 27 फरवरी को एक-एक चरण में मतदान होगा। नीतीजे 2 मार्च की आएं।

तिपुरा में 2018 में नेजटटोर के लिए चुनाव हो रहे हैं। इससे यह बहाना बेदखल रोक रहे हैं। यानी 2016 से विधानसभा चुनाव हो रहे हैं जिसमें 6 दलों ने तक मार्क्योवीटी कान्यनिट पार्टी (माकपा) और कांग्रेस एक दूसरे के धुर विरोधी रहे। 2018 तक दोनों में राजनीतिक भिड़त होती थी। लेकिन भाजपा के पैर जमाते ही अल्लाह और कोई न कहीं चुनाव होता रहता है। यही हमारे लोकतंत्रिक ढांचों की खुबसूरी है और जमजूब जनाशय की व्यवस्था ही। पूर्वोत्तर के रिपुणा, मेघालय और नागार्जुना में चुनावी लेलान के साथ राजनीतिक दलों को संक्रिया बढ़ा रहा है। जिन तीन विधानसभाओं में चुनाव हैं और

कृषि उड़ान योजना से 21 और हवाई अड्डों को जड़ेगी बाराहः सिधिया
केंद्रीय राजदानीक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिधिया ने मंगलवार को कहा कि सरकार कृषि उड़ान योजना से देश के 21 और हवाई अड्डों को जोड़ना चाहती है ताकि जल्दी याराब होने वाले कृषि, बागवानी और मस्त्य उत्पादों को तेज रफ्तार हवाई परिवहन किया जा सके। सिधिया, भारत की जी 20 अधिकाता में कृषि उप प्रमुखों की इंटर्व्यू में जारी बैठक में हिस्सा लेने के बाद मिडिया से मुख्यातिव थे।



उड़ानों के कहा, फिलहाल कृषि उड़ान योजना से देश के कम से कम 31 हवाई अड्डे जुड़े हैं। मैं इस योजना से 21 और हवाई अड्डों को जोड़ने के लिए इस बांगलालय से चर्चा कर रहा हूं। उड़ानों की कृषि, बागवानी और मछलीपालन बीजों के जल्दी याराब होने वाले उत्पादों के तेज रफ्तार परिवहन के लिए शुरु की गई कृषि उड़ान योजना बढ़ाव दिया गया है। सिधिया ने मिसाल दी कि पूर्वान्तर भारत में यादा होने वाले नींबू, कटहल और अंगूर इस योजना के जरिये न केवल देश के अच्छी हिस्टोरी, बल्कि जर्जरी और मछलीपालन बीजों के जल्दी याराब होने वाले उत्पादों के तेज रफ्तार परिवहन के लिए शुरु की गई कृषि उड़ान योजना बढ़ाव दिया गया। सिधिया ने आपको जारी बैठक में हिस्सा लेने के बाद मिडिया से मुख्यातिव थे।

उड़ानों के कहा, फिलहाल कृषि उड़ान योजना से देश के कम से कम 31 हवाई अड्डे जुड़े हैं। मैं इस योजना से 21 और हवाई अड्डों को जोड़ने के लिए इस बांगलालय से चर्चा कर रहा हूं। उड़ानों की कृषि, बागवानी और मछलीपालन बीजों के जल्दी याराब होने वाले उत्पादों के तेज रफ्तार परिवहन के लिए शुरु की गई कृषि उड़ान योजना बढ़ाव दिया गया है। सिधिया ने मिसाल दी कि पूर्वान्तर भारत में यादा होने वाले नींबू, कटहल और अंगूर इस योजना के जरिये न केवल देश के अच्छी हिस्टोरी, बल्कि जर्जरी और मछलीपालन बीजों के जल्दी याराब होने वाले उत्पादों के तेज रफ्तार परिवहन के लिए शुरु की गई कृषि उड़ान योजना बढ़ाव दिया गया। सिधिया ने आपको जारी बैठक में हिस्सा लेने के बाद मिडिया से मुख्यातिव थे।

अॉनलाइन फ्रॉड से बचने के लिए आपनाएं ऐटिप्स, कभी नहीं होगा कुक्सान

आज के समय में ऑनलाइन फ्रॉड होना आम बात हो जाती है। आपकी एक छोटी सी गलती का काफ़ियादा उठाकर जालसाज आपके खाते को साफ कर सकता है। ऐसे में हमें अपने दोस्तों से जुड़ी जानकारियों को लेकर काही साकारता करना चाहिए, जिससे आपके साथ कोई फ्रॉड न हो। इसे लेकर आरबीआई की ओर से कुछ लिपिचित्र भाग ले जाने जा रहे हैं। आपने जागरूकता पर चर्चा की जाएगी।

अॉनलाइन फ्रॉड से बचने के लिए आपनाएं ऐटिप्स, कभी नहीं होगा कुक्सान

आज के समय में ऑनलाइन फ्रॉड होना आम बात हो जाती है। आपकी

एक छोटी सी गलती का काफ़ियादा

उठाकर जालसाज आपके खाते को

साफ कर सकता है। ऐसे में हमें

अपने दोस्तों से जुड़ी जानकारियों को

लेकर काही साकारता करना चाहिए,

जिससे आपके साथ कोई फ्रॉड न

हो। इसे लेकर आरबीआई की ओर

से कुछ लिपिचित्र भाग ले जाएं।

जिनके बारे में हम अपनी रिपोर्ट में

देखें।

लोन लेने समय रहे सरकार

इससे पहले आरबीआई ने लोन को

लेकर की भी एक अच्छी ट्रॉट देता

बताया कि अच्छी ट्रॉट पहुँचने

की परीक्षा करने के बाद - विनियोगिता

संरचनाओं के पास नहीं जाना चाहिए।

केंपेंग हुआ बीबीआई कहता है के

तहत केंद्रीय बैंक की ओर से ट्रॉट

कर बताया गया कि कृषि भी याकिं

को अपने ओटोपी, पिन पासवर्ड,

लॉगिन का आईडी, सीरीजी, डिव्हिट

कार्ड, क्रेडिट कार्ड और सोशल

प्रोफाइल के साथ भी

होगा कुक्सान

ऑनलाइन फ्रॉड से आरही कभी

के काही बैंक की ओर से

पहले आपको यास सावधानी बरतनी

चाहिए।

ऑनलाइन फ्रॉड में आरही कभी

के काही बैंक की ओर से

पहले आपको यास सावधानी बरतनी

चाहिए।

ऑनलाइन फ्रॉड में आरही कभी

के काही बैंक की ओर से

पहले आपको यास सावधानी बरतनी

चाहिए।

ऑनलाइन फ्रॉड में आरही कभी

के काही बैंक की ओर से

पहले आपको यास सावधानी बरतनी

चाहिए।

ऑनलाइन फ्रॉड में आरही कभी

के काही बैंक की ओर से

पहले आपको यास सावधानी बरतनी

चाहिए।

ऑनलाइन फ्रॉड में आरही कभी

के काही बैंक की ओर से

पहले आपको यास सावधानी बरतनी

चाहिए।

ऑनलाइन फ्रॉड में आरही कभी

के काही बैंक की ओर से

पहले आपको यास सावधानी बरतनी

चाहिए।

ऑनलाइन फ्रॉड में आरही कभी

के काही बैंक की ओर से

पहले आपको यास सावधानी बरतनी

चाहिए।

ऑनलाइन फ्रॉड में आरही कभी

के काही बैंक की ओर से

पहले आपको यास सावधानी बरतनी

चाहिए।

ऑनलाइन फ्रॉड में आरही कभी

के काही बैंक की ओर से

पहले आपको यास सावधानी बरतनी

चाहिए।

ऑनलाइन फ्रॉड में आरही कभी

के काही बैंक की ओर से

पहले आपको यास सावधानी बरतनी

चाहिए।

ऑनलाइन फ्रॉड में आरही कभी

के काही बैंक की ओर से

पहले आपको यास सावधानी बरतनी

चाहिए।

ऑनलाइन फ्रॉड में आरही कभी

के काही बैंक की ओर से

पहले आपको यास सावधानी बरतनी

चाहिए।

ऑनलाइन फ्रॉड में आरही कभी

के काही बैंक की ओर से

पहले आपको यास सावधानी बरतनी

चाहिए।

ऑनलाइन फ्रॉड में आरही कभी

के काही बैंक की ओर से

पहले आपको यास सावधानी बरतनी

चाहिए।

ऑनलाइन फ्रॉड में आरही कभी

के काही बैंक की ओर से

पहले आपको यास सावधानी बरतनी

चाहिए।

ऑनलाइन फ्रॉड में आरही कभी

के काही बैंक की ओर से

पहले आपको यास सावधानी बरतनी

चाहिए।

ऑनलाइन फ्रॉड में आरही कभी

के काही बैंक की ओर से

पहले आपको यास सावधानी बरतनी

चाहिए।

ऑनलाइन फ्रॉड में आरही कभी

के काही बैंक की ओर से

पहले आपको यास

